

---

# Shri Pipacharya Ashtakam

श्रीपीपाचार्याष्टकम्

## Document Information

---

Text title : Shri Pipacharya Ashtakam

File name : pIpAchAryAShTakam.itx

Category : deities\_misc, rAmAnanda, aShTaka, gurudev

Location : doc\_deities\_misc

Transliterated by : Mrityunjay Pandey

Proofread by : Mrityunjay Pandey

Description/comments : From Chatuh Sampradaya Dig-Darshanm

Latest update : December 8, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 8, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Pipacharya Ashtakam

---

### श्रीपीपाचार्याष्टकम्

---



गाङ्गरौनगढेशं य भायीवंशशिरोमणिम् ।  
पीपाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ १ ॥

रामानन्दयतीन्द्रस्य शिष्यं श्रीवैष्णवोत्तमम् ।  
पीपाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ २ ॥

सागरस्थान्तरे श्रीमद्वारावत्याश्च दर्शकम् ।  
पीपाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ३ ॥

रामानन्दमताम्बोधेर्वर्धकं विधुमुत्तमम् ।  
पीपाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ४ ॥

भक्तानन्दविधातारमानन्दभाष्यचिन्तकम् ।  
पीपाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ५ ॥

रामभक्तिप्रपत्तिभ्यां मुक्त्यानन्दप्रदायकम् ।  
पीपाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ६ ॥

श्रीवैष्णवत्वकर्तारं संस्कारपञ्चकेन हि ।  
पीपाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ७ ॥


त्रयाणां सद्रहस्थानां बोधकं य तपस्विनम् ।  
पीपाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ८ ॥

एति श्रीपीपाचार्याष्टकं सम्पूर्णात् ।

Encoded and proofread by Mrityunjay Pandey

---

pdf was typeset on December 8, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

